कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दुनिया के दूसरे देश से भारत हर मोर्चे पर आगे, कोरोना के मरीजों की संख्या के हिसाब से देखें तो भारत पश्चिमी देशों से काफी पीछे

मुंगेर के एक परिवार के छह सदस्यों तथा बक्सर के एक युवक व एक वृद्ध को कोरोना संक्रमित होने से बिहार में 83 पहुंचा आंकड़ा, रेड–ऑरेंज जोन में ये जिले शामिल

अपने 65 वर्षीय बीमार पिता को गोद में लेकर पैदल लगभग एक किलोमीटर तक चलने को मजबूर हुआ बेटा, केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर केस दर्ज किया

लॉकडाउन का फार्मूला पहले चरण में देश के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ यानी लॉकडाउन ने बड़े नुकसान की आशंका को कम किया

WINNER GROUP OF COMPANIES
तरक्की सुनिश्चित है.....
WINNER CREDIT CO-OPRATIVE SOCIETY LIMITED
(Regd. No.:MSCS/CR/2292/2016)
कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड एवं मान्यता प्राप्त
1.Winner Credit Co-Oprative Society | 2.Winner Pharma (Medicine) | 3.Winner Real Estate | 4.Winner Digital Media (Web & Print Media, News Channel) | 5.Winner Infrastructures | 6.Winner Health & Personal Care | 7.Winner Micro Finance (Proposed) | 8.Winner Film Devision | 9.Winner Lakshya Business (Direct Selling Company)
REGD. OFFICE : WINNER HOUSE, C-24, SECTOR-12 NOIDA-201301 U.P.
Contact No. : +91 8210595830. E-mail:- info@winnergroup.org, Website: www.winnergroup.org

युवराज न्यूज़ टुडे
NEWS TODAY Update
www.newstodayupdate.in
newstodayupdate.in
आपकी आवाज़
RNI:- BIHHIN05409
राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक
रजि0 कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272
email: newstodaymth@gmail.com
website : newstodayupdate.in
वर्ष : 06 अंक : 07+16 तिथि : 17 अप्रैल 2020 मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दुनिया के दूसरे देश से भारत हर मोर्चे पर आगे, कोरोना के मरीजों की संख्या के हिसाब से देखें तो भारत पश्चिमी देशों से काफी पीछे

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दुनिया के दूसरे देश से भारत हर मोर्चे पर आगे रहा है। प्रति 10 लाख की जनसंख्या पर कोरोना के मरीजों की संख्या के हिसाब से देखें तो भारत पश्चिमी देशों से पीछे है। अगर कोरोना मरीजों की संख्या दोगुनी होने का हिसाब लगाया जाए तो भारत में पश्चिमी देशों की तुलना में ज्यादा वक्त लग रहा है। भारत में कोरोना के टेस्ट कम होने का आरोप भले लगाया जाता हो, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि भारत में 24 टेस्ट करने पर एक मरीज मिल रहा है। जबकि अमेरिका में 5 टेस्ट में ही एक मरीज मिल रहा है।

दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में कई गुना अधिक टेस्ट कर रहा भारत

आइसीएमआर के डाक्टर रमन गंगाखेड़कर के अनुसार दुनिया में सबसे बेहतर टेस्टिंग करने वाले देशों से भी भारत कहीं आगे हैं। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग के मामले में जापान का सबसे अधिक उदाहरण दिया जा रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि जापान एक मरीज को ढूंढने के लिए 11.7 टेस्ट करता है। इसी तरह एक मरीज के लिए इटली औसतन 6.7 टेस्ट, अमेरिका 5.3 टेस्ट और ब्रिटेन 3.4 टेस्ट कर रहा है। वहीं भारत को एक मरीज ढूंढने के लिए औसतन 24 टेस्ट करने पड़ रहे हैं। इस तरह प्रति मरीजों की संख्या के हिसाब से भारत दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में कई गुना अधिक टेस्ट कर रहा है। डाक्टर गंगाखेड़कर ने कहा कि इसके अलावा हम कोरोना से अछूते इलाको में भी सर्दी–खांसी–जुकाम और सांस से संबंधित बीमारियों से ग्रसित लोगों का कोरोना टेस्ट कर रहे हैं।

इस मामले में केवल कनाडा भारत से आगे

यदि पांच हजार और 10 हजार कोरोना के केस पहुंचने तक दुनिया के दूसरे देशों में किये गए टेस्ट से तुलना करें तो सिर्फ कनाडा भारत से आगे दिखता है। पांच हजार मरीज पहुंचने तक कनाडा 2,41,138 टेस्ट और 10 हजार पहुंचने तक 2,95,065 टेस्ट कर चुका था। जबकि अमेरिका ने 1,04,073 और 1,39,878 टेस्ट किये थे। इटली और ब्रिटेन इससे भी काफी पीछे रहा था। वहीं भारत ने इसके लिए 1,14,015 और 2,17,554 टेस्ट कर चुका था।

भारत में अन्य देशों की अपेक्षा धीमी गति से बढ़ रहे हैं आंकड़े

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 750 से 1500 और 1500 से 3000 मरीजों की संख्या पहुंचने में भारत में चार दिन लगे थे। लेकिन तीन हजार से छह हजार पहुंचने में पांच दिन लगे और छह से 12 हजार पहुंचने में छह दिन लगे। लेकिन अमेरिका में इतने मरीज होने तक उनकी संख्या हर दूसरे दिन दोगुनी हो रही थी। विकसित देशों में सबसे बेहतर प्रदर्शन कनाडा का रहा, लेकिन वहां भी छह हजार से 12 हजार मरीजों की संख्या पांच दिन में हो गई थी।

प्रति लाख जनसंख्या में मरीजों की संख्या काफी कम

17 जनवरी को ही चीन से आने वाले यात्रियों के लिए स्क्रीन टेस्ट और 550 मरीज होने के बाद ही लॉकडाउन जैसे फैसलों की वजह से देश में प्रति लाख जनसंख्या में मरीज की संख्या दुनिया के अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। भारत में 10 लाख की जनसंख्या पर महज नौ कोरोना के मरीज हैं। जबकि विश्व औसत 267 मरीजों का है। प्रति 10 लाख की आबादी पर अमेरिका में 1946, स्पेन 3,864, इटली में 2,732, फ्रांस में 2265, जर्मनी में 1608 और ब्रिटेन में 1451 कोरोना के मरीज हैं।

भारत में कोरोना वायरस (कोविड–19) के अब तक 13,387 मामले, इनमें से 1,749 लोग ठीक हो गए हैं और 437 लोगों की मौत

न्यूज टुडे टीम अपडेट : नई दिल्ली :

स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में कोरोना वायरस (कोविड–19) के अब तक 13,387 मामले सामने आ गए हैं। इनमें से 1,749 लोग ठीक हो गए हैं और 437 लोगों की मौत हो गई है।अभी भी 11,201 मरीजों का इलाज जारी है।

पिछले 24 घंटों में 1007 पॉजिटिव मामलों की पुष्टि हुई है और 23 मरीजों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं। यहां अब तक 3,205 मरीजों की पुष्टि हो गई है। इसके अलावा दिल्ली में 1640 मामलों की पुष्टि हो गई है। तमिलनाडु में 1267 मामले सामने आए हैं। वहीं मध्य प्रदेश में 1120 और राजस्थान में 1131 मामलों की पुष्टि हो गई है।

बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की ख़बर के साथ अपनी ख़बर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
A unit of Yuvaraj Media Entertainment
Contact for News & Advt.: 9471005272, 8210595830

अपने 65 वर्षीय बीमार पिता को गोद में लेकर पैदल लगभग एक किलोमीटर तक चलने को मजबूर हुआ बेटा, केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर केस दर्ज किया

न्यूज टुडे टीम अपडेट : कोल्लम/ केरल :

केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने एक घटना के सिलसिले में स्वतः संज्ञान लेकर केस दर्ज किया है, जहां एक व्यक्ति को अपने 65 वर्षीय बीमार पिता को पैदल ले जाने के लिए मजबूर किया गया। यह शख्स अपने बीमार पिता को ऑटोरिक्शा में ले जा रहा था, लेकिन पुलिस ने लॉकडाउन का हवाला देते हुए इन्हें रोक लिया। ऐसे में बीमार पिता को गोद में उठाकर शख्स को ले जाना पड़ा। पुलिस की इस हरकत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। देशभर में लॉकडाउन के दौरान कई ऐसे दृश्य देखने को भी मिल रहे हैं, जिनसे आंखों से आंसू निकल पड़ते हैं।

दरअसल, कुलथुपुझा के मूल निवासी 65 वर्षीय बीमार व्यक्ति को पुनालुर तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। ऐसे में बेटे द्वारा एक ऑटोरिक्शा में उन्हें घर वापस ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में पुलिसवाले बैरिकेडिंग करके बैठे हुए थे, जिन्होंने ऑटोरिक्शा को रोक लिया। बीमार शख्स के बेटे ने पुलिसवालों को अस्पताल के दस्तावेज भी दिखाए और गुजारिश की कि उन्हें ऑटोरिक्शा में जाने दिया जाए, लेकिन पुलिसवाले नहीं माने और कहा कि लॉकडाउन के कारण ऑटोरिक्शा आगे नहीं जा सकता है।

ऐसे में बेटे के पास कोई विकल्प नहीं था। इसलिए वह बीमार पिता को गोद में उठाकर पैदल ही घर की ओर निकल पड़ा। लगभग एक किलोमीटर तक बेटे को बीमार पिता को गोद में लेकर ही जाना पड़ा। इस दौरान कई लोगों ने इस शख्स की वीडियो बना ली और सोशल मीडिया पर शेयर कर दी। यह वीडियो जब राज्य के मानवाधिकार आयोग के संज्ञान में आई, तो उन्होंने मामला दर्ज कर पुलिस से जवाब मांगा है।

मुंगेर के एक परिवार के छह सदस्यों तथा बक्सर के एक युवक व एक वृद्ध को कोरोना संक्रमित होने से बिहार में 83 पहुंचा आंकड़ा, रेड–ऑरेंज जोन में ये जिले शामिल

आशीष राज,
स्थानीय संपादक, न्यूज टुडे

गुरुवार को मुंगेर के एक परिवार के छह सदस्यों तथा बक्सर के एक युवक व एक वृद्ध को कोरोना संक्रमित पाया गया है। इसके साथ बिहार में अभी तक कोरोना के 83 पॉजिटिव मामले मिल चुके हैं। जबकि, मुंगेर एवं वैशाली के एक–एक कोरोना पॉजिटिव युवक की मौत हो चुकी है। राज्य के कई इलाकों में मरीजों की बढ़ती संख्या चिंता का सबब भी बनी है।

जहां तक हॉट–स्पॉट (Hot Spot) या रेड जोन (Red Zone) की बात है, बिहार में सिवान, मुंगेर, बेगूसराय व गया कोरोना को बड़े हॉट–स्पॉट (रेड जोन) बनकर उभरे हैं। राज्य के नौ जिले ऑरेंज जोन में तो 25 जिले कारोना फ्री या ग्रीन जोन (Green Zone) में हैं। राहत की बात यह भी है कि बिहार में संक्रमित मरीज लगातार ठीक हो रहे हैं और कोरोना के सामुदायिक संक्रमण की स्थिति नहीं है।

रेड जोन में बिहार के चार जिले शामिल

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव प्रीति सूदन के पत्र के अनुसार देश के 170 जिले कोरोना के हॉट–स्पॉट हैं, जिन्हें रेड जोन में रखा गया है। इनमें बड़े पैमाने पर कोरोना केस वाले 123 जिलों में बिहार का सिवान भी शामिल है। रेड जोन की दूसरी श्रेणी में वैसे जिले हैं, जहां कोरोना पॉजिटिव मामलों के क्लस्टर मिले हैं। देश के ऐसे 47 जिलों में बिहार के मुंगेर, बेगूसराय व गया शामिल हैं। बिहार में अभी तक मिले मामलों में सर्वाधिक 29 सिवान के हैं। सिवान का रघुनाथपुर स्थित पंजवार गांव कोरोना का केंद्र बन गया है। आठ मामलों के साथ बेगूसराय दूसरे स्थान पर है। मुंगेर में आठ तो गया में पांच मामले मिले हैं।

राज्य का सबसे बड़ा हॉट–स्पॉट बना सिवान

बिहार में कोरोना के सबसे बड़े हॉट.स्पॉट के रूप में सिवान उभरा है। वहां अभी तक 29 मरीज मिले हैं। सिवान का रघुनाथपुर स्थित पंजवार गांव कोरोना का केंद्र बन गया है। राहत की बात यह है कि यहां बीते कई दिनों से कोरोना का एक भी मामला नहीं मिला है, साथ ही मरीज लगातार स्वस्थ हो रहे हैं। गुरुवार को भी पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती सिवान के आठ कोरोना पॉजिटिव मरीज दूसरी जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज किए जा रहे हैं।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ. निर्मल कुमार सिन्हा ने बताया कि इनमें सिवान के रघुनाथपुर थाना अंतर्गत पंजवार गांव के एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं। सिवान में अगर 28 दिनों तक कोरोना का कोई नया मामला नहीं मिलता है, तभी यह जिला हॉट–स्पॉट या रेड जोन से बाहर निकलेगा। इसके लिए प्रशासन प्रयास कर रहा है। जिले के आठ लाख से ज्यादा घरों में रहने वाले 40 लाख लोगों की स्क्रीनिंग शुरू है। इसे आठ दिनों में पूरा करना है। जिला स्तर पर 24 व पंचायत स्तर पर 301 क्वारंटाइन सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें 1449 लोगों को रखा गया। इनमें से 1197 लोगों को 14 दिनों की अवधि पूरी करने के बाद उनके घर भेज दिया गया है। उप विकास आयुक्त सुनील कुमार ने बताया कि प्रखंड स्तर पर बने क्वारंटाइन सेंटरों में वर्तमान समय में 269 लोग हैं।

दूसरे रेड जोन बेगूसराय का तब्लीगी कनेक्शन

बिहार के दूसरे बड़े रेड जोन बेगूसराय में संक्रमितों का आंकड़ा आठ तक पहुंच गया है। यहां अबतक मिले सभी संक्रमित तब्लीगी जमात में शामिल लोगों के संपर्क में रहे हैं। सोमवार को भी यहां बरौनी प्रखंड का एक युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया। स्वास्थ्य विभाग यहां पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की तरह घर– घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रहा है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. हरेराम कुमार सिंह ने बताया कि यह अभियान 16 से 23 अप्रैल तक चलेगा।

मुंगेर का रेड जोन से बाहर निकलने का टूटा सपना

बीते 15 दिनों के अंदर मुंगेर में एक भी कोरोना पॉजिटिव मामला नहीं मिला था। पर, कोरोना फ्री बन चुके मुंगेर में बुधवार को फिर एक मामला मिलने के कारण उसका रेड जोन की श्रेणी से बाहर निकलने का सपना टूट गया। वहां बुधवार को 60 साल के एक वृद्ध को कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद गुरुवार को उसके परिवार के दो पुरुषों तथा तीन महिलाओं व ऐ बच्चे को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। मुंगेर में इसके पहले मिले सात मरीजों में एक की मौत हो गई थी। जबकि, शेष छह के स्वस्थ हो गए थे।

28 दिनों तक नहीं मिला मामला तो रेड जोन नहीं रहेगा गया

बिहार के गया जिले में बीते कुछ समय से कोरोना पॉजिटिव मामला सामने नहीं आया है। यहां अभी तक कुल पांच मरीज मिले हैं। गया में अगर लगातार 28 दिनों तक कोई नया मामला नहीं मिलता है तो यह जिला रेड जोन की श्रेणी से बाहर निकल जाएगा।

ऑरेंज जोन में बिहार के नौ जिले, अंतिम एंट्री बक्सर की

हॉट–स्पॉट जिलों के अलावा कुछ अन्य जिलों में भी करोना के मामले मिले हैं। इन जिलों को ऑरेंज जोन में रखा गया है। इनमें पटना, गोपालगंज, नवादा, नालंदा, सारण, लखीसराय, भागलपुर, वैशाली व बक्सर हैं। पटना में बीते दो सप्ताह से संक्रमण की चेन टूटती दिख रही थी, लेकिन बुधवार को नया मामला मिलने के साथ कोरोना के कुल छह मामले मिल चुके हैं। गोपालगंज में तीन, नवादा में तीन, नालंदा में छह मामले मिले हैं। गुरुवार को मिले दो नए मामले बक्सर के हैं। सारण, लखीसराय, भागलपुर व वैश.ाली में एक–एक कोरोना पॉजिटिव मामले मिले हैं।

20 अप्रैल से कुछ जगहों पर मिल सकती राहत

बीते मंगलवार को समाप्त हो रहे लॉकडाउन को तीन मई तक के लिए बढ़ा दिया है। हालांकि, 20 अप्रैल से वैसी कुछ जगहों पर कुछ छूट दी जाएगी, जहां कोरोना के मामले नहीं मिलेंगे।

बिहार के 25 ग्रीन जोन वाले कोरोना फ्री जिले

- पश्चिम चंपारण
- पूर्वी चंपारण
- सीतामढ़ी
- शिवहर
- मुजफ्फरपुर
- समस्तीपुर
- दरभंगा
- मधुबनी
- सहरसा
- सुपौल
- मधेपुरा
- खगड़िया
- अररिया
- किशनगंज
- कटिहार
- पूर्णिया
- बांका
- जमुई
- शेखपुरा
- अरवल
- जहानाबाद
- औरंगाबाद
- रोहतास
- कैमूर
- आरा

लॉकडाउन का फार्मूला पहले चरण में देश के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ यानी लॉकडाउन ने बड़े नुकसान की आशंका को कम किया

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

देश में लॉकडाउन 2.0 शुरू हो चुका है। 21 दिन का पहला चरण पूरा करने के बाद बुधवार से देश ने अब अगले 19 दिन के लिए कमर कस ली है। दरअसल, लॉकडाउन का फार्मूला पहले चरण में देश के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि संक्रमितों की संख्या तो पिछले 21 दिनों में बढ़ी, लेकिन वृद्धि दर पर अंकुश लगा। यानी लॉकडाउन ने बड़े नुकसान की आशंका को कम किया।

लॉकडाउन से एक सप्ताह पहले यानी 18 से 24 मार्च के बीच के आंकड़े पर यदि हम गौर करें तो उस समय संक्रमितों की संख्या 3.3 दिन में दोगुनी हो रही थी, जबकि लॉकडाउन के पहले सप्ताही यानी 25 से 31 मार्च के बीच मरीजों के दोगुनी होने की दर पांच दिन तक खिंची।

तब्लीगी जमातियों ने दिया था झटका

लॉकडाउन के पहले सप्ताह में ही भारत रिकवरी मोड में आ गया था लेकिन तब्दीली जमातियों के संक्रमण ने बड़ा झटका दिया। पहले सप्ताह में ही जमातियों के संक्रमण की सूचनाएं सामने आयीं। मरीजों की संख्या बढ़ी और रफ्तार भी। हालांकि इन सबके बाद भी लॉकडाउन के दूसरे सप्ताह में मरीजों के संक्रमण की रफ्तार लॉकडाउन से पहले तुलना में कम ही रही। एक से सात अप्रैल के बीच औसतन 4.3 दिन में दोगुने हुए। तीसरे सप्ताह में लॉकडाउन का असर और नजर आया। मरीजों की अगर संख्या देखें तो पांच हजार से यह लगभग 10 हजार के आंकड़े के आसपास पहुंची लेकिन मरीजों की संख्या दोगुने होने में 7.2 दिन का समय लगा, जो पूर्व के मुकाबले नियंत्रित हालात कहे जा सकते हैं।दिल्ली में भी लॉकडाउन के शुरुआती दो सप्ताह में चार दिन से कम समय मेंही मरीज दोगुने होते रहे जबकि तीसरे सप्ताह में संख्या दोगुनी होने में पांच दिन का समय लगा। तीसरे नंबर पर सर्वाधिक संक्रमितों की संख्या तमि.लनाडु में 1204 है। यहां भी लॉकडाउन का फायदा तीसरे सप्ताह में दिखा।

महाराष्ट्र, दिल्ली बुरी तरह प्रभावित

आज की तारीख में कोरोना से बुरी तरह प्रभावित राज्यों में महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु हैं। महाराष्ट्र में तो 15 अप्रैल दोपहर एक बजे तक 2687 मरीज मिल चुके थे। लॉकडाउन के पहले सप्ताह में जहां 6.7 दिन में संक्रमितों की संख्या दोगुनी हो रही थी वहीं दूसरे सप्ताह में यह अंतर चार दिन का रह गया। लॉकडाउन के तीसरे सप्ताह में कुछ सुधार हुआ फिर भी पहले सप्ताह की तुलना में यह कम ही रहा। दिल्ली में मरीजों की संख्या 1561 हो चुकी है।

केरल और यूपी का बेहतर प्रदर्शन

केरल, उत्तरप्रदेश ने हालात काबू में रखने की कोशिश की लॉकडाउन से पहले केरल में प्रति 2.9 दिन पर मरीजों की संख्या दोगुनी हो रही थी। लॉकडाउन के पहले सप्ताह में मरीजों के दोगुने होने की अवधि 5.4 दिन तक खिंची। इसी दिन दूसरे और तीसरे सप्ताह में भी केरल का संयम सराहनीय रहा। बता दें कि कोरोना का पहला मरीज केरल में ही 30 जनवरी को मिला था, लेकिन महीनेभर तक यहां इनकी संख्या तीन तक सिमटी रही। मार्च में एक बार फिर केरल ने संक्रमण की रफ्तार पकड़ी लेकिन अब फिर नियंत्रण लगा दिया है। इसी तरह लगभग 22 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में भी मरीजों के दोगुने होने की अवधि 10.1 दिन तक पहुंची है। इसी तरह हरियाणा में 15.1 दिन, तेलंगाना 11.9 दिन, कर्नाटक में 10.1 दिन दर्ज की गई है।

गुजरात की उल्टी चाल

लॉकडाउन में जहां संक्रमितों की संख्या बढ़ने के बावजूद देश के प्रमुख राज्यों में संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ी वहीं गुजरात में हालात विपरीत रहे। यहां चार अप्रैल को 100वां संक्रमित मिला, लेकिन ठीक 10 दिन बाद संक्रमितों की संख्या 650 पहुंच गई है। लॉकडाउन के तीसरे सप्ताह में तो यहां संक्रमण 2.9 दिन में ही दोगुना हो गया जबकि लॉकडाउन के पहले सप्ताह में संख्या दोगुनी होने में 6.4 दिन लग रहे थे।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830